POWERED BY---------महा गौरी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान

COMPUTER OPERATOR & PROGRAMMING ASSITANT /CPCT.

FEATCHERS-

महा गौरी Introduces समझ Application For LIVE Online Master Classes Is An Incredibly Personalized Tutoring Platform For You, While You Are Staying At Your Home. We Have Grown Leaps And Bounds To Be The Best Online Tuition Website In Amarpatan With Immensely Talented Teachers, From The Most Reputed Institutions.

C.O.P.A

COMPUTER OPERATOR & PROGRAMMING ASSISTANT

ATUL PANDEY

HEAD OF THE INSTITUTION

POWERED BY-SAMAJH APP

Internet Concepts, Web Designing Concepts

--INTERNET—

इंटरनेट कंप्यूटरों का एक विश्वव्यापी (इंटरकनेक्टेड) नेटवर्क है। इंटर्नेट में बहुत से स्थानीय, राष्ट्र, अंतर्राष्ट्र नेट्वर्क होते हैं। ये सभी नेट्वर्क आपस में जुड़े हुए होते हैं। यह दुनिया भर से सूचना और डेटा तक पहुंच प्रदान करता है। आप दुनिया में चाहें तो कहीं पर भी महजूद हो, आप इंटर्नेट पर उपलब्ध कोई भी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

इंटरनेट का इतिहास

Net की History की बात की जाये तो 1969 में ये दुनिया में अपना पहला कदम रख चुकता था, और वक्त और technology क बदलाव से ये आगे बढ़ता गया और अभी बी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। थोडा और जानते है।

तो चलिए आगे Internet की history in hindi जानते हैं।

1. Internet का उद्गम ARPANET (**ADVANCE RESEARCH PROJECT AGENCY network**) से हुआ था।

2. ARPANET Ameriaca का रक्षा बिभाग का हिस्सा था **1969** में।

3. सुरुवात में गुपनिया ख़त Computer के जरिये भेजने क लिए ये Network बनाया गया था इसी का नाम था ARPANET।

4. सुरुवात में इस बिचार को पांच **US University** के Computer को Connect करने के लिए ये इस्तेमाल हुआ था। **1972** के दसक तक ये दुनिया के **23 Node** और दुनिया के अलग अलग देशों से जुड़ चूका था जिसका नाम बाद में दिया गया Internet

5. सुरुवात इससे इस Network को **Private Network** के तोर पर इस्तमाल किया जाता था बाद में ये सब तक पोहंचा गया और साल भर साल इसमें बदलवा आता गया और अभी आप इसी Internet के जरिया मेरी जानकारी Internet क्या है और Internet का इतिहास आप पढ़ रहे थे।

ARPANET (Advanced Research Projects Agency Network) अंततः उस रूप में विकसित हुआ जिसे अब हम इंटरनेट कहते हैं। इसकी सफलता के बावजूद, ARPANET की सदस्यता रक्षा विभाग के अनुबंधों वाले कुछ शैक्षणिक और अनुसंधान संगठनों तक ही सीमित थी।

इंटरनेट का फुल फॉर्म

Internet का Full Form होता है **Interconnected Network**। जो की असल में एक बहुत ही बड़ा network होता है सभी Web Servers Worldwide का। इसलिए इसे बहुत से जगहों में World Wide Web या simply the Web भी कहा जाता है।

इस network में ऐसे बहुत से private और public organizations, schools और colleges, research centers, hospitals के साथ साथ बहुत से servers भी शामिल हैं पुरे दुनिभर में।

इंटरनेट एक collection होता है interconnected networks का, i.e। network of networks का। ये बना हुआ होता है बहुत से interconnected gateways और routers के आपस में connected होने से पुरे दुनियाभर में।

इंटरनेट की खोज किसने की

Internet का आविष्कार कर पाना किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं थी। इसे बनाने में बहुत से Scientist और Engineers की जरूरत लगी थी। सन 1957 में COLD WAR के समय, अमेरिका ने **Advanced Research Projects Agency** (ARPA) की स्थापना की जिसका उद्देश्य एक ऐसी Technology को बनाना था, जिससे की एक कंप्यूटर को दूसरे कंप्यूटर से जोड़ा जा सके। यहाँ से आप इंटरनेट की खोज किसने की बिस्तार से पढ़ सकते है।

सन 1969 में इस Agency ने ARPANET की स्थापना की। जिस से कि किसी भी कंप्यूटर को किसी भी Computer से जोड़ा जा सकता था।

सन 1980 तक आते-आते उसका नाम Internet हो गया। Vinton Cerf **और** Robert Kahn **ने TCP/IP protocol को invent किया सन 1970s, और 1972 में, वहीँ Ray Tomlinson ने सबसे पहले Email Network को introduce किया।**

इंटरनेट कब शुरू हुआ?

Internet की शुरुवात **January 1, 1983** से हुई। जब ARPANET ने **TCP/IP** को adopt किया January 1, 1983 में, और उसके बाद researchers ने शुरू किया उन्हें assemble करने का काम। उस समय उसे "network of networks" कहा जाता था, बाद में आज के modern समय में उसे Internet के नाम से जाना जाता है।

भारत में इंटरनेट कब शुरू हुआ था?

भारत में internet service को publicly available कराया गया सन **14 August 1995** में जब इसे लांच किया गया state-owned **Videsh Sanchar Nigam Limited** (VSNL) के द्वारा।

इंटरनेट की परिभाषा

Internet असल में एक global wide area network होता है जो की दुनिया भर के Computer systems को आपस में connect करता है। इसमें बहुत से high-bandwidth data lines होते हैं जो की Internet का "**backbone**" कहलाते हैं। ये lines को connect किया जाता है major Internet hubs के साथ जो की data को distribute करते हैं दुसरे locations को, जैसे की web servers और ISPs।

वहीँ यदि आपको Internet के साथ connect होना है, तब आपके पास एक Internet service provider (ISP) का access होना चाहिए, जो की एक middleman के तरह act करता है आपके और Internet के बीच में।

ज्यादातर ISPs **broadband Internet access** प्रदान करते हैं via एक cable, DSL, या fiber connection के। जब आप Internet के साथ connect होते हैं एक public Wi-Fi signal के

माध्यम से, यहाँ पर भी Wi-Fi router एक ISP के साथ connected होता है आपको इंटरनेट प्रदान करने के लिए।

वहीँ cellular data towers को भी किसी न किसी एक Internet service provider से जुड़ा होना होता है connected devices को internet access प्रदान करने के लिए।

Difference between Internet and Intranet in Hindi – इंटरनेट और इंट्रानेट में अंतर

Internet	Intranet
इंटरनेट एक पब्लिक नेटवर्क है जिसका इस्तेमाल किसी के भी द्वारा किया जा सकता है।	इंट्रानेट एक प्राइवेट नेटवर्क है जिसका इस्तेमाल केवल authorized यूजर के द्वारा किया जा सकता है।
इंटरनेट की सुरक्षा बहुत कमजोर होती है अर्थात् इसको हैकर आसानी से hack कर सकता है।	इंट्रानेट की सुरक्षा अच्छी होती है इसे हैकर के द्वारा हैक कर पाना मुश्किल होता है।
Internet में असीमित (unlimited) यूज़र होते हैं।	Intranet में सीमित (limited) मात्रा में यूज़र होते हैं।
यह सभी प्रकार की जानकारी प्रदान करता है।	यह सभी प्रकार की जानकारी प्रदान नही करता। यह कुछ ही जानकारी प्रदान करता है।
इंटरनेट का इस्तेमाल बहत सारे नेटवर्कों को आपस में जोड़ने के लिए किया जाता है।	इंट्रानेट का इस्तेमाल कर्मचारियों के बीच कंपनी की जानकारी और संसाधनों को शेयर करने के लिए किया जाता है।
इंटरनेट का कोई मालिक नहीं होता।	इंट्रानेट का मालिक कोई कंपनी या आर्गेनाइजेशन होती है।
इसमें ज्यादा संख्या में लोग visit करते है।	इसमें कम संख्या में लोग visit करते है।

Internet पर बहुत अधिक मात्रा में जानकारी उपलब्ध है।	Intranet पर बहुत कम मात्रा में जानकारी उपलब्ध होती है।
इंटरनेट पूरी दुनिया में फैला हुआ है।	इंट्रानेट एक छोटे से क्षेत्र में होता है जैसे किसी कम्पनी की बिल्डिंग।
मोबाइल फ़ोन पर सोशल मीडिया का उपयोग करना , ब्राउज़र को ब्राउज करना और ऑनलाइन वीडियो देखना यह सब इंटरनेट के उदहारण है।	एक कंपनी में कर्मचारियों के बीच जानकारी को शेयर करना इंट्रानेट का उदहारण है।
इंटरनेट को network of networks (नेटवर्कों का नेटवर्क) कहते हैं। यह LAN, MAN और WAN से मिलकर बनता है।	इंट्रानेट मुख्य रूप से LAN से मिलकर बनता है।
इंटरनेट को एक्सेस करने के लिए किसी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।	इंट्रानेट को एक्सेस करने के लिए id और password की जरूरत पड़ती है।

इंटरनेट की विशेषताएं

चलिए अब Internet की विसेश्ताएं के विषय में जानते हैं, जिन्हें जानना बहुत ही जरुरी होता है।

World Wide Web

वर्ल्ड वाइड वेब नेटवर्क का एक नेटवर्क है जो दुनिया भर में अरबों उपकरणों को जोड़ता है। यह इंटरकनेक्टेड कंप्यूटर नेटवर्क की एक प्रणाली है जो दुनिया भर में अरबों उपकरणों को जोड़ने के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल सूट (टीसीपी/आईपी) का उपयोग करती है।

वेब का आविष्कार टिम बर्नर्स-ली द्वारा 1989 में किया गया था और मूल रूप से इंटरनेट पर जानकारी साझा करने के तरीके के रूप में कार्य करता था। बर्नर्स-ली ने 1990 में पहला वेब ब्राउज़र लिखा, और यह यूज़नेट समाचार समूहों का एक विकल्प बन गया, जो उस समय ऑनलाइन संचार का प्रमुख रूप था। वर्ल्ड वाइड वेब का तेजी से विकास हुआ और 1994 तक, इंटरनेट पर आधा मिलियन से अधिक वेबसाइटें मौजूद थीं।

E-mail

ई-मेल संचार का एक डिजिटल रूप है जिसका उपयोग एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर पर संदेश, पाठ, चित्र या अन्य डिजिटल फाइल भेजने के लिए किया जाता है। “ईमेल” शब्द 1970 के दशक में रे टॉमलिंसन द्वारा गढ़ा गया था जिन्होंने इस तकनीक को विकसित किया और ईमेल का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति बने।

यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक सूचनाओं के आदान-प्रदान का एक लोकप्रिय माध्यम है। इसने संचार को और अधिक सुविधाजनक बना दिया है क्योंकि इसे इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी उपकरण पर एक्सेस किया जा सकता है। ई-मेल ने डिजिटल सामग्री जैसे दस्तावेज़, चित्र, ऑडियो क्लिप और वीडियो को अन्य लोगों के साथ साझा करना आसान बना दिया है जिनके पास इन फ़ाइलों या उपकरणों तक पहुंच नहीं है। हालाँकि, ई-मेल भी हैकर्स के लिए एक लक्ष्य बन गया है क्योंकि वे सिस्टम में कमजोरियों की तलाश कर रहे हैं जिनका दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए शोषण किया जा सकता है।

News

1. एक **Internet-based Service** होती है news, जिसमें बहुत से newsgroups शामिल होते हैं।

2. प्रत्येक newsgroup host करता है discussions एक specific topic में। सभी topics पर अलग अलग Newsgroups होते हैं।

Telnet

टेलनेट एक प्रोटोकॉल है जो लोगों को एक नेटवर्क पर दूरस्थ रूप से लॉग इन करने और कंप्यूटर को नियंत्रित करने में सक्षम बनाता है।

टेलनेट एक प्रोटोकॉल है जो लोगों को एक नेटवर्क पर दूरस्थ रूप से लॉग इन करने और कंप्यूटर को नियंत्रित करने में सक्षम बनाता है। यह मुख्य रूप से यूनिक्स जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे कि लिनक्स या फ्रीबीएसडी, या उन ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले प्रोग्राम को जोड़ने और प्रशासित करने के संदर्भ में उपयोग किया जाता है।

टेलनेट को रिमोट टर्मिनल कंट्रोल के लिए डिज़ाइन किया गया था, लेकिन यह रिमोट टर्मिनल डिस्प्ले फ़ंक्शंस का भी समर्थन करता है, इसलिए इसका उपयोग अन्य कंप्यूटरों पर चलने वाले टेक्स्ट-आधारित एप्लिकेशन तक उसी तरह से किया जा सकता है जैसे एसएसएच ग्राफिकल एप्लिकेशन तक पहुंच प्रदान करता है।

File Transfer Protocol

एफ़टीपी एक नेटवर्क प्रोटोकॉल है जिसका उपयोग कंप्यूटरों के बीच फ़ाइलों को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।

एफ़टीपी एक नेटवर्क प्रोटोकॉल है जिसका उपयोग कंप्यूटरों के बीच फ़ाइलों को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। यह मुख्य रूप से इंटरनेट पर वेब होस्टिंग और बड़ी दूरी पर फाइलों के आदान-प्रदान के लिए उपयोग किया जाता है। एफ़टीपी टीसीपी का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि इसे केवल उसी नेटवर्क या इंटरनेट से ही एक्सेस किया जा सकता है। सर्वर दुनिया में कहीं भी स्थित हो सकता है और अभी भी दुनिया में कहीं और ग्राहकों द्वारा पहुँचा जा सकता है।

Internet Relay Chat (IRC)

इंटरनेट रिले चैट एक प्रोटोकॉल है जो लोगों को एक सर्वर के माध्यम से एक दूसरे के साथ चैट करने की अनुमति देता है। इसे पहली बार 1988 में जर्को ओकारिनन द्वारा विकसित किया गया था और तब से इसे लगातार अपडेट किया जाता रहा है।

आईआरसी को चैट रूम, चर्चा मंच या चैट चैनल के रूप में भी जाना जाता है। उनका उपयोग आमतौर पर किसी विशिष्ट विषय पर चर्चा करने के लिए किया जाता है। लोग किसी IRC चैनल को उस सर्वर से कनेक्ट करके शामिल हो सकते हैं जो इसे IRC क्लाइंट के साथ होस्ट करता है और फिर क्लाइंट की इनपुट लाइन में चैनल का नाम दर्ज करता है।

इंटरनेट कैसे काम करता है?

Internet में Computers एक दुसरे के साथ connected होते हैं छोटे networks के माध्यम से। वहीँ ये networks connected होते हैं gateways के द्वारा Internet Backbone के साथ।

वहीँ सभी Computers Internet पर एक दुसरे के साथ communicate करते हैं **TCP/IP** के माध्यम से, जो की एक Basic Protocol (i.e set of rules) होता है Internet का।

TCP/IP (**Transmission Control Protocol / Internet Protocol**) manage करते हैं Internet में हो रहे सभी transmission को फिर चाहे वो data/file/document कुछ भी क्यूँ न हो,

लेकिन इसे करने के लिए उन्हें उस data/file/documents को छोटे छोटे parts में तोडना होता है जिन्हें की packets या datagrams कहा जाता है।

इसमें प्रत्येक packet में actual data का address part स्तिथ होता है, i.e addresses of destination और source होता है upto **1500 characters** के जितना।

एक वेब (One Web) क्या है?

वेब एक ऐसा शब्द है जो एक दूसरे से जुड़े पृष्ठों और अन्य सामग्री के समूह को संदर्भित करता है।

“वेब” शब्द के दो अर्थ हैं:

1) इंटरनेट पर परस्पर जुड़े पृष्ठों या दस्तावेजों का एक समूह।

2) एक मकड़ी का जाला, जिसे इंटरनेट के रूपक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

इंटरनेट और वेब के बीच अंतर क्या हैं?

इंटरनेट इंटरकनेक्टेड कंप्यूटर नेटवर्क की एक वैश्विक प्रणाली है जो दुनिया भर में अरबों उपयोगकर्ताओं की सेवा के लिए मानक इंटरनेट प्रोटोकॉल सूट (टीसीपी/आईपी) का उपयोग करती है।

वेब इंटरकनेक्टेड कंप्यूटरों का एक विशाल, वैश्विक नेटवर्क है जो दुनिया भर में अरबों उपयोगकर्ताओं की सेवा के लिए हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल (HTTP) का उपयोग करता है।

इंटरनेट को 1969 में DARPA द्वारा एक प्रायोगिक पैकेट-स्विचिंग नेटवर्क के रूप में विकसित किया गया था, जबकि वेब का आविष्कार टिम बर्नर्स-ली द्वारा 1989 में किया गया था। इंटरनेट का कोई केंद्रीय नियंत्रण नहीं है और इसमें केबल जैसी कोई भौतिक संरचना नहीं है, यही वजह है कि इसे “बादल” कहा जाता है। वेब में केंद्रीय नियंत्रण और केबल जैसे भौतिक बुनियादी ढांचे हैं, इसलिए इसे इंटरनेट कनेक्शन के साथ कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है।

इंटरनेट का उपयोग

1. Electronic mail

Internet से जुड़े करीब 85% से ज्यादा लोग Internet का इस्तमाल email भेजने और पाने के लिए करते हैं। एक सप्ताह में करीब 20 million से भी ज्यादा emails का आदान प्रदान होता है।

2. Research

Internet एक बहुत ही बड़ा source है documents, books, research papers इत्यादि का इसलिए लोग इसका इस्तमाल अपने research करने के लिए करते हैं।

3. Files Download Upload

यहाँ पर ऐसे बहुत से files को upload किया गया होता है बहुत से websites के द्वारा जैसे की Movies, Songs, Videos, Documenteries इत्यादि। यदि आप उन्हें देखना चाहते हैं तब आपको उन्हें download करना होगा जिसके लिए internet की आवश्यकता होती है।

4. Discussion groups

यदि आपको किसी topic के विषय में जानना है या किसी expert से इसके विषय में राय लेनी है तब आप Discussion Groups का इस्तमाल कर सकते हैं। यहाँ पर आपको बहुत से experienced और experts मिल जायेंगे किसी चीज़ के विषय में expert advice के लिए।

5. Interactive games

यदि आप bore हो रहे हों तब आप Internet में बढ़िया और मज़ेदार Interactive games खेल सकते हैं अपने मनोरंजन के लिए।

*6. **Education self-improvement***

यहाँ पर आपको बहुत से On-line courses और workshops मिल जायेंगे जिनसे आप बहुत कुछ सीख सकते हैं वहीँ इनके Online Seminars को attend कर आप अपना self-improvement भी करा सकते हैं।

7. Friendship dating

यदि आपको online दोस्त बनाना पसंद है तब आपके लिए यहाँ पर बहुत से social media sites मेह्जुद हैं जैसे की Facebook, Instagram, Twitter।

वहीँ अगर आप relations बनाने में ज्यादा उत्सुक हैं तब आप Online Dating Sites पर जाकर खुद को register करा सकते हैं जिससे आप अपने मन मुताबिक साथी से बातचित कर अपने रिश्ते को आगे बढ़ा सकते हैं।

8. Electronic

यहाँ पर आपको ऐसे बहुत से news websites मिल जायेंगे जहाँ पर आपको सभी latest-breaking news, weather, और sports के समाचार आसानी से मिल सकता है। वहीँ आप यहाँ पर कई Online Magazines भी पढ़ सकते हैं।

9. Job

ऐसे बहुत से websites हैं जो की निरंतर jobs की जानकारी प्रदान कर रहे होते हैं। फिर चाहे वो कोई technical job हो या फिर non- technical jobs। यदि आपको भी jobs की तलाश है तब आप भी इनमें register कर अपने पसंदीदा job प्राप्त कर सकते हैं।

10. Shopping

अब वो दिन गए जब आपको shopping करने के लिए कई दुकान घूमना पड़ता था। लेकिन अब आप घर बैठे ही अपने मनचाही चीज़ें online order कर सकते हैं।

आपको यहाँ पर सभी प्रकार के चीज़ें मील सकते हैं वो भी बहुत ही अच्छे **offer price** पर। बस आपको अपने को इन sites में register कराना होता है। फिर आप जितनी चाहे उतनी shopping कर सकते हैं।

भारत में इंटरनेट का इतिहास

भारत में Internet पहली बार **15 August 1995** को इस्तेमाल हुआ था। उस वक्त की सबसे बड़ी Telecom कंपनी VSNL(Videsh Sanchar Nigam Limited) ने ये सेवा दी गई थी.इसके बाद ये भारत में कुछ इस तरह से बदलाव लाया था।

- बड़े बड़े सहरों में net को पोहंचाया गया.
- **1996** Redifmail नाम की ईमेल साईट की सुरुवात हुई भारत में.
- भरता पहला साइबर कैफ़े **1996** में मुंबई में खुला.
- **1997** Noukri.com जैसी साईट भारत में बनी, आज हर कोई इसे जनता है.
- **1999** Hindiportal "**webdunia**" की सुरुवात हुई.
- **2000** के दशक तक technology act **2000** भारत में लागु हुआ.
- Yahoo इंडिया और msn इंडिया की भी सुरुवात **2000** के दसक में हुई थी.
- **2001** Online Train Website irctc.in की सुरुवात हुई थी.

इंटरनेट कैसे चलाई जाती है?

यहाँ पर हम जानेंगे की कैसे आप अपने Computer और Mobile Device में Internet चला सकते हैं।

Smartphones जैसे की iPhones और Android phones, बहुत ही छोटे handheld Computers होते हैं जिसमें की built-in GPS और camera की सुविधा रहती है। वहीँ बहुत से लोगों के लिए उनका SmartPhone ही tool होता है Internet access करने के लिए।

यदि आप अपने Computer या PC में Internet चलाना चाहते हैं तब आपको इसके लिए या तो broadband connection लेना होगा किसी **ISP** से या उनका कोई Wireless Connection भी ले सकते हैं। इसका इस्तमाल कर आप अपने computer में Internet access कर सकते हैं।

इंटरनेट के लाभ

अगर आप Internet के सही से उपयोग करोगे तो आप बोहत कुछ कर सकते हो, इसलिए निचे दिए गए net के फायदे अछे से पढ़ें और अपनी जिंदिगी को Digital बनायें

1. इसको ज्यादा तोर पर Social Networking, Education, मनोरजन, Online जानकारी देने में ज्यदा मददगार होता है।

2. इसे आपकी time की बचत तो होगी और आप चाहो तो बोहत कुछ सिख सकते हो।

3.इसके इस्तेमाल से हम कोई भी Information को बड़ी आसानी से ढूंड सकते है.जैसे हम Google में करते है.
किसीको भी बड़ी आसानी से *Message, audio, video, Document Internet* में हम भेज सकते है जैसे की Whatsapp, Facebook, Twitter में हर कोई करता है।

4. अगर पढाई की बात की जाये आजकल हर कोई ऑनलाइन पढाई कर सकता है और research कर सकता है।

5. और सबसे अच्छा फायदा- Online services जैसे online Shopping, Online Recharge, Movie Ticket Boking, Internet Banking, Online Transaction ये सब Internet की वजह से ही हो पाया है।

6. इसके के जरिये आप किसी के साथ आमने सामने मतलब Video कालिंग कर सकते है।

7. इसकी वजह से ही आजकल E-Commerce साईट बोहत ही तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

8. इसमें में आप Information Share कर सकते हैं, E-Mail जैसे सुविधा आपको Internet की वजह से हो पाया है।

9. मनोरंजन के लिए भी आपको इसकी की सक्त जरुरत है। जिससे आप गाने डाउनलोड कर सकते हो, Video देख सकते हो, दु:ख को दूर करने के लिए Online game खेल सकते हो।

10. सबसे बड़ा फायदा यह है की आपको सारे सवालों के जवाब मिल जायंगे जैसे अभी आपको ये भी मिल जाये गा Internet क्या है।

11. आपको हर पल की खबर आपको मिलती रहेंगी जब चाहो तब, इसके साथ Science,Technolgy,की भी जानकारी मिलती रहेगी Internet में।

12. आप अपना सारा डाटा स्टोर करके रख सकते हो इसमें और जब चाहो तब वापस डाउनलोड कर सकते हो।

ये Government के लिए भी काफी फायदे मंद है, Government अपने scheme Internet के जरिये आसानी से लोगों तक पोहांचा सकी है।

इंटरनेट की हानि

आपको अगर अपनी जिंदगी को सही तरीके चलाना है इस Digital दुनिया में तो इन बातों को जरुर ध्यान से पढ़ें, और दुसरो को बताएं

1. इसका का नुकसान इसकी लत है, अगर आपको लग गई तो अप इसके पीछे लगे रहो गे और होगा क्या इससे आपका वक्त बर्बाद होगा।

2. इसमें कोई भी कुछ भी लिख के share कर देता है चाहे वो सही हो या गलत, इससे गलत Information लोगों तक पहच ती है|

3. इसके जरिये आपका सारा **Data** आपके Computer से कोई भी चुरा सकता है Hackers के जरिये।

4. कभी कभी कोई भी गलत Video (mms) बड़ी तेजी से नेट में फ़ैल जाता है ये भी एक नुकसान है।

5. Computer Virus Internet से ही आपके Computer तक पोहंच सकता है जिससे आपके सारे डाटा गायब हो सकते हैं और आपके Computer को भी Slow कर देता है

6. बोहत सारे प्रोनोग्फ्री साईट net में होती हैं जिसमे अश्लील तस्वीर और Video रहते है और इनसे बचों के दिमाग पर बोहत ही बुरा असर पड़ता है।

7. इसमें में जो **Social साईट** जैसे Facebook,Instagram रहती है उनमे कुछ लोग किसी की भी तस्वीर छोड़ देते हैं ये भी Internet का नुकसान हैं

8. Internet पे कुछ ऐसे वेबसाइट होती हैं जिनमे लोग आपको कुछ सवाल पूछ कर सारी जानकारी ले लेते हैं और उसका वो गलत फ़ायदा उठाते है।

9. Internet के इस्तेमाल से जैसे आपका वक्त बचाता है वैसे ही आपका वक्त भी बर्बाद करता है।

- **Web designing concepts**

वेब डिजाइनिंग क्या है? इसमें कौन सी बातों का ध्यान रखा जाता है? What is Web Designing

आसान शब्दों में, Web design एक process है जिसमें हम website बनाने के लिये विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रख कर planning करते हैं और उसके बाद उस plan के अनुसार website को आकार-प्रकार व रंग रूप प्रदान करते हैं।

Website design करते समय उसके सिर्फ़ रंग रूप पर ही ध्यान नही दिया जाता बल्कि वेबसाईट में उपलब्ध जितने भी जानकारियां व contents हैं वे user को कैसे दिखाई देंगे और काम कैसे करेंगे इस बात का भी ध्यान रखा जाता है।

एक अच्छा Web designer वही होता है जो इस बात का ध्यान रखता है कि user उसके website में क्या देखना चाहता है और उसका **primary goal यही होता है कि audience की requirements को समझे और उसे पूरा करे**।

ऐसा कर पाना तभी संभव होता है जब अच्छे तरीके से website को plan किया जाये, quality content provide किया जाये, और आवश्यक multimedia(image, video, animation आदि) का उपयोग किया जाये।

Website design करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

Website designing की पूरी प्रक्रिया में विभिन्न प्रकार की तथ्यों को ध्यान में रख कर काम किया जाता है जिनमें से कुछ तथ्य इस प्रकार हैं:

Target Audience:

सबसे पहली और जरूरी चीज होती है Target audience यानि के आपके वेबसाइट में आने वाले visitors, जब आपको अपने website के audience के बारे में पता चल जाता है तो आपका काम काफ़ी आसान हो जाता है।

इससे आपको समझ आ जाता है कि **आपके audience किस प्रकार के हैं वे किस तरह के content को पसंद करते है**, अब इसके अनुसार आप आगे अपनी site को design कर पायेंगे।

Example के लिये आप कोई automobile की website बना रहें हैं तो जाहिर सी बात है audience group में वही लोग होंगे जो Bike, Car आदि पसंद करते हैं, तो इससे आपको उनके interest के बारे में पता चलता है, इससे पता चलता है कि वे आपकी साइट से किस प्रकार की जानकारी चाहते हैं, अब आप अपनी site में सिर्फ़ उन्ही चीजों को डालेंगे जो car पसंद करने वाले व्यक्ति के काम की हो।

Information Architecture:

आपको ये पता चल चुका है कि आप को कैसी जानकारियां अपने site में publish करनी है, लेकिन उन जानकारियों को किस format में आप अपने audience तक पहुंचायें कि वह देखने और पढने में और भी ज्यादा interesting लगेइस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है।

Layout:

Website के structure या ढांचेको ही उसका layout कहा जाता है, layout डिजाईन करते समय वेबसाइट के अलग-अलग sections जैसे header, sidebar, content, footer आदि के height-width, position आदि को ध्यान में रख कर structure को कुछ ऐसे design किया जाता है कि हम अपने site के information को सही तरीके

से user को present कर पायें। पढ़ें: Fluid या Liquid Website Layout Design कैसे बनाएं

Navigation:

किसी भी site में एक effective navigation (menu) का होना बहुत ही जरूरी है| Navigation से ही visitor को पता चलता है उसे जिस प्रकार की जानकारी चाहिये वो कहां और किस page में उपलब्ध है।

एक अच्छे navigation को simple, साधारण और समझ में आने योग्य होनी चाहिये। Navigation को कई तरीके से बनाया जा सकता जैसे की header, sidebar या footer में link डालकर या फ़िर अलग से एक menu बनाकर pages के links को अलग-अलग category में divide करके दिखा सकते हैं जिससे की user को उसकी मनचाही चीजें ढूंढने में आसानी हो।

Graphics-

आपने सुना होगा की एक तस्वीर अपने आप में हजारो शब्द बयां करती हैं, ऐसे ही बिना चित्रों के आपकी वेबसाइट नीरस तथा उबाऊ लग सकती है और **visitor 5 seconds में ही आपकी साइट बंद कर के कहीं और चला जायेगा**।

Images use करने से आपकी साइट दिखने में अच्छी तो लगेगी ही इसके अलावा **graphics से आपकी website की SEO (Search Engine Optimization) भी improve होगी।**

ग्राफ़िक्स का use करते समय हमें कई बातो का ध्यान रखना जरूरी होता है जैसे:

- Image format
- Resolution
- Size
- Height-Width
- Color combination

आपके वेबसाइट के images दिखने में attractive होने तो चाहिये इसके अलावा यह content से related और जल्दी से load भी होने चाहिये

Colors-

जब भी हम अपनी website design करते हैं तो हमें **color combination** का भी ध्यान रखना पडता है, आपने देखा होगा कि **ज्यादतर websites में maximum 3 या 4 colors ही use किया जाता है** जिससे वह साईट और भी professional दिखाई देता है।

उपयोग होने वाले images, fonts, backgrounds आदि के color को पहले से तय किये गये color combination के हिसाब से ही चुना जाता है और सभी pages में वही combination use होता है।

Fonts-

जाहिर सी बात है अगर fonts clear और पढने लायक ना हो तो हमारी website किसी काम की नही है, इसके अलावा जो fonts हम अपने system में MS-Word आदि में देखते हैं, जरूरी नही कि उन सभी को हम अपनी website में उपयोग कर पायेंगे। Font चुनते समय हमारे पास 2 options होते हैं:

- हम उन्हीं common fonts का use करते हैं जो user के system में पहले से installed होते हैं या
- **Web fonts** का उपयोग करते हैं जिसमें हमें fonts को अपने site में ही include करना होता है

इन सब के अलावा हमें font size, color, bold हो या light हो, content के situation से match कर रहा है या नही इन सभी बातों को भी ध्यान में रखा जाता है।

Website Design करने के लिये क्या सीखना जरूरी है?

आजकल website बनाना बहुत ही आसान हो गया है, internet पर कई सारे ऐसे tools हैं जिनकी मदद से आप बिना कोई programming किये आसानी से अपना वेबसाइट बना सकते है|

लेकिन अगर आप एक **professional web designer** बनना चाहते हैं, आप चाहते हैं कि किसी भी तरह की website हो आप उसे design करलें और सिर्फ़ डिजाइन नही बल्कि उसके अन्दर की सारी functionality को भी आप समझ सकें, तो इसके लिये आपके अन्दर थोडी सी **programming skills** होनी जरूरी है

वैसे तो website designing में कई सारी technologies हैं पर सबसे पहले आप नीचे दिये कुछ जरूरी चीजों से सीखना शुरु करें:

- **HTML**
- **CSS**
- **Basic Javascript (Optional)**
- **jQuery**

HTML

यानि की HyperText Markup Language, यह सबसे जरूरी और पहली चीज है किसी वेबसाइट को बनाने के लिये।

इससे website का layout यानी की structure तैयार किया जाता है। यकीन मानिये यह सीखने में बहुत ही आसान है, और इसे सीख कर आप एक simple web page कुछ ही मिनटो में तैयार कर सकते हैं।

CSS-

आपको HTML सीखने के बाद CSS (Cascading Style Sheets) सीखना आवश्यक है क्यों कि आप **सिर्फ़ HTML से अपने वेबसाइट को attractive नही बना सकते**।

HTML से website का ढांचा तैयार किया जाता है फ़िर CSS से उसमें सजावट की जाती है यानि की **रंग रोगन का सारा काम CSS से होता है।** इसे सीखना HTML से भी ज्यादा मजेदार होता है, पर हां इसे सीखने से पहले HTML जरूर सीखें क्योंकि अकेला CSS कुछ भी नही कर सकता।

Javascript-

वैसे तो यह इतना आवश्यक नही है, आप HTML+CSS से बेहतरीन design बना सकते हैं| लेकिन अगर आप कुछ नये functionalities add करना चाहते हैं जैसे की आपने देखा होगा किसी साइट में कुछ forms होते हैं, contact form, registration form आदि जिसको fill करके submit करने पर बिना पेज reload हुये हमारा data submit हो जाता है, इस तरह की चीजों को javascript से बनाया जाता है।

jQuery-

Javascript के कुछ common tasks को और आसान बनाने के लिये jQuery का use किया जाता है।

यह Javascript से ज्यादा आसान होता है।

जिस काम को करने के लिये Javascript में कई सारे lines of code लिखने पडते हैं उसे हम jQuery में आसानी से कुछ ही लाइनो में कर सकते हैं।

Web design में use होने वाले tools:

इसके लिये कई सारे tools होते हैं, designing के लिये अलग, coding के लिये अलग tools use किये जाते हैं। जरूरी नही की आप इन्हीं tools का इस्तेमाल करें, designer अपने हिसाब से अपनी पसंद की tools select करते हैं। यहां नीचे कुछ **popular web designing tools** की list दी जा रही है जो beginners के लिये उपयोगी हैं:

Designing के लिये tools:

- Photoshop
- Corel Draw

Coding के लिये text editors:

- Notepad++
- Dreamweaver

Web browsers:

- Chrome
- Firefox
- Safari
- Opera

Website को दिखने में सुन्दर और user friendly बनाना एक web designer का काम होता है। इसके लिए टूल्स और टेक्नोलॉजी का ज्ञान होना जरुरी तो है ही थोडा creative होना भी जरुरी है।

महा गौरी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान के ऑनलाइन एप्लीकेशन समझ अप्प ज्वाइन करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद!

IF UNHAPPY-PLEASE TELL US

IF HAPPY PLEASE TELL OTHERS

हम आशा करते है की हमारे द्वारा दी गई जानकारी को आप अच्छी तरह समझ गए होंगे फिर भी अगर आपको और बेहतर तरीके से इसके बारे में जानकारी लेना है तो आप हमारे ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से हमारे शिक्षकों से जुड़कर और बेहतर तरीके से समझ सकते है हमारे शिक्षक हमेशा आपकी सेवा में तत्पर है!

धन्यवाद

महा गौरी कंप्यूटर